# DSSSB TGT & PGT

**Part-B**

**SCHOLAR BATCH**

# INDIAN ECONOMY

# मानव संसाधन

LIVE 25-07-2024 08:00 PM

## संसाधन के रूप मे लोग -

## मानव संसाधन

जो लोग किसी न किसी आर्थिक क्रिया में लगे रहते हैं, वे सभी मानव संसाधन कहलाते हैं। जिस तरह से निर्माण का काम देश की जीडीपी में योगदान करता है उसी तरह से मानव पूँजी भी (उत्पादन में योगदान (करके) देश की जीडीपी में योगदान करती है। मानव पूँजी के दखल के बिना अन्य सभी संसाधन बेकार साबित होते हैं।

आर्थिक क्रियाओं → योगदान → मानव संसाधन

Human resource

बिना मानव संसाधन → किसी भी प्रकार का उत्पादन कार्य नहीं

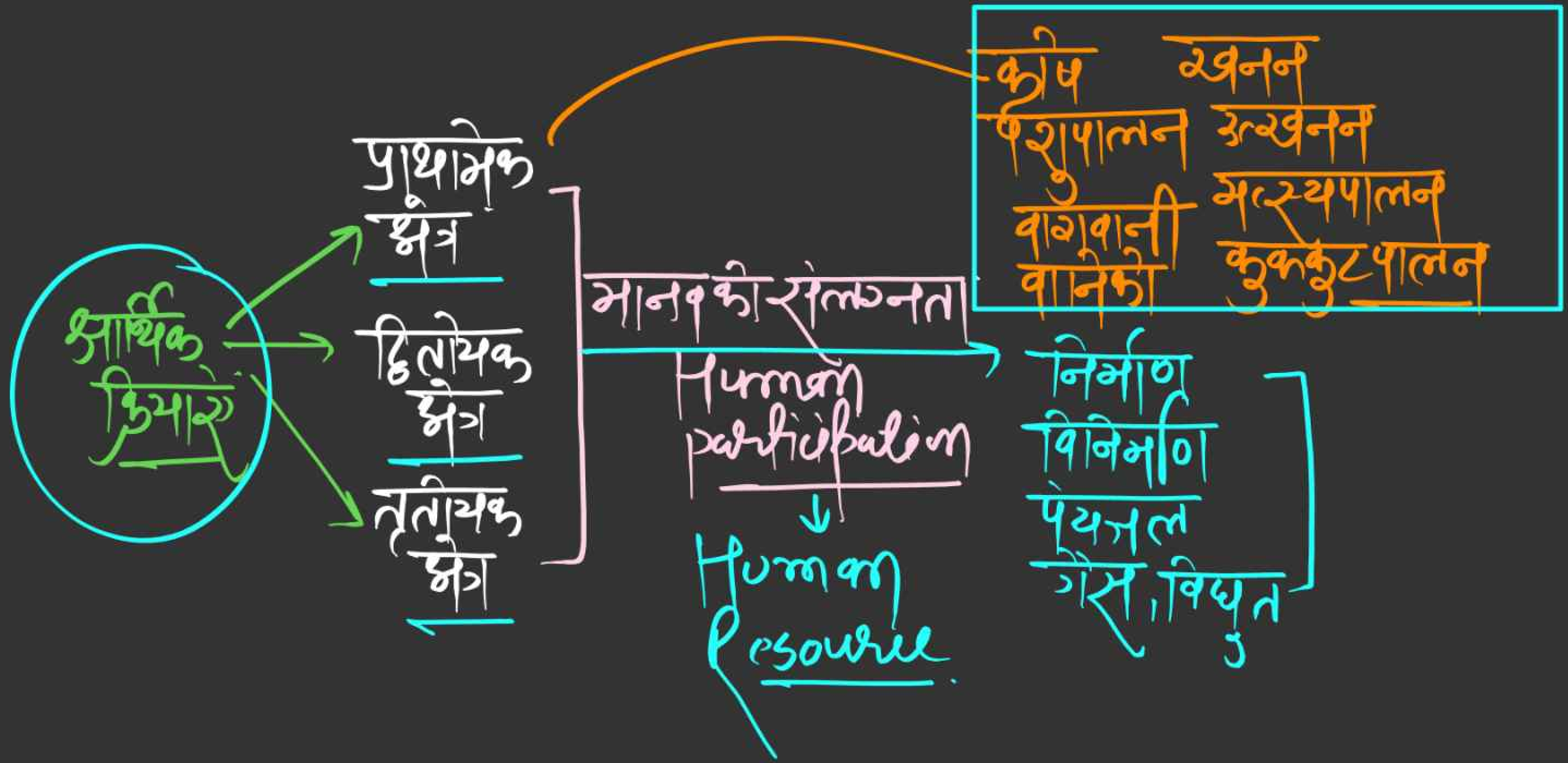

आर्थिक क्रियाएँ
प्राथमिक क्षेत्र
द्वितीयक क्षेत्र
तृतीयक क्षेत्र
मानव की संलग्नता
Human participation
Human Resource
कृषि
खनन
पशुपालन
उत्खनन
बागवानी
मत्स्यपालन
वानिकी
कुक्कुटपालन
निर्माण
विनिर्माण
पेयजल
गैस, विद्युत

## मानव पूँजी निर्माण

मानव पूँजी में निवेश करने से वैसा ही लाभ मिलता है जैसा किसी अन्य संसाधन में निवेश करने से। शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं के द्वारा मानव पूँजी में निवेश किया जाता है। आमतौर पर एक शिक्षित आदमी किसी अशिक्षित आदमी के मुकाबले अधिक कमाता है। इसी तरह से, किसी अस्वस्थ आदमी के मुकाबले एक स्वस्थ आदमी बेहतर ढंग से काम कर पायेगा और उसकी उत्पादकता भी बेहतर होगी।

## शिक्षित और अशिक्षित माता पिता में अंतर

- शिक्षित माता-पिता को शिक्षा का महत्व पता होता है। इसलिए ये अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य के उद्देश्य से उनकी शिक्षा में निवेश करते हैं। शिक्षित माता-पिता अपने बच्चों के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखते हैं। इससे बेहतर मानव पूँजी बनाने का एक अंतहीन चक्र शुरु हो जाता है।

Factory
- equipments – good.
- Raw Material – good.
- Human resources – educated + healthy

→ Production good

↓

Product good.

- अशिक्षित माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश नहीं कर पाते हैं। इससे एक ऐसा अंतहीन चक्र शुरू हो जाता है कि आने वाली कई पीढ़ियाँ गरीब रह जाती हैं।

# आर्थिक क्रिया

- प्राथमिक क्रियाएँ
- द्वितीयक क्रियाएँ
- तृतीयक क्रियाएँ

+ मानव ✓
संसाधन
↓
संलग्न

उत्पादन के लक्ष्य के आधार पर आर्थिक क्रियाएँ दो प्रकार की होती है

1. **बाजार क्रिया**

किसी उत्पाद या सेवा को बेचने के उद्देश्य से बनाया जाता है

2. **गैर-बाजार क्रिया**

किसी उत्पाद या सेवा को खुद के उपभोग के लिए बनाया जाता है

## जनसंख्या की गुणवत्ता

साक्षरता, स्वास्थ्य और कुशलता से जनसंख्या की गुणवत्ता का पता चलता है। अशिक्षित और अस्वस्थ लोग किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए दायित्व या भार बन जाते हैं। शिक्षित और स्वस्थ व्यक्ति अर्थव्यवस्था के लिए परिसंपत्ति बन जाता है। एक शिक्षित और स्वस्थ जनसंख्या देश की जीडीपी में अपना योगदान देती है।

## शिक्षा

- शिक्षा समाज के विकास में योगदान करती है और राष्ट्रीय आय, सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ाती है और शासन की दक्षता को बढ़ाती है।

- नागरिकों को अपने कर्तव्यों का पालन करने और अपने अधिकारों का ठीक से आनंद लेने के लिए साक्षरता की आवश्यकता है।

## स्वास्थ्य

- जनसंख्या के स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार देश की प्राथमिकता रही है। राष्ट्रीय नीति का भी उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा, परिवार कल्याण और पोषण सेवा की पहुंच में सुधार करना है, विशेष रूप से आबादी के वंचित वर्ग के लिए

## शिशु मृत्यु दर

- शिशु मृत्यु दर प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर शिशु मृत्यु की संख्या है।

## जीवन प्रत्याशा

"जीवन प्रत्याशा" शब्द का तात्पर्य उन वर्षों की संख्या से है जो एक व्यक्ति जीने की उम्मीद कर सकता है। परिभाषा के अनुसार, जीवन प्रत्याशा औसत आयु के अनुमान पर आधारित होती है कि किसी विशेष जनसंख्या समूह के सदस्य मरने पर होंगे

## बेरोजगारी

काम में आने वाले काम में आने वाले जैसे काम करेंगे। 15 से 59 आयु वर्ग के लोग इस श्रेणी में रह सकते हैं। व्यक्तिगत रूप से असामान्य होने की स्थिति में होने से यह काम नहीं करेगा।

## बेरोजगारी

### मौसमी बेरोजगारी

बेरोजगारी अक्सर ग्रामीण इलाको में देखी जाती है। खेती का चक्र मौसम पर आधारित होता है। साल के कुछ महीनों में खेत पर काम करने वाले बहुत व्यस्त होते हैं। लेकिन कुछ महीने ऐसे भी होते हैं जब इस तरह से नियमित रूप से काम किया जा रहा है और यह आवश्यक है। दुर्घटना की स्थिति में बेरोजगार या बेरोजगार हो रहे हैं।

- प्रच्छन्न बेरोजगारी = कृषि क्षेत्र = ऊपर से देखने पर ऐसा प्रतीत होता है, व्यक्ति रोजगार में हैं, परन्तु इनमें से कुछ व्यक्तियों को निकाल भी दिया जाए, तो अंतिम उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- शिक्षित बेरोजगार = शैक्षणिक योग्यता के अनुसार रोजगार न मिलने पर।